(ख) दिल्ली में ऐसे छात्रों की संख्या कितनी है और उनके लिए सरकार ने क्या प्रबन्ध किया है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय और सांस्कृतिक विभाग में राज्य मंत्री (प्रो० एस० नूरुल हसन): (क) और (ख). केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्वयन्त निकाय है तथा उसका संचालन केन्द्रीय सरकार द्वारा नहीं किया जाता है। विवरण सभा पटल पर रखा जाता है जिसमें उन विद्यार्थियों की संख्या दी गई है जिन्होंने अपनी पसंद के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था तथा उन विद्यार्थियों की संख्या जो स्थानों की समिति संख्या होने के कारण इन पाठ्यक्रमों में दाखिला नहीं ले सके थे। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—1163/71]

दिल्ली में अनेकों में पाठ्यकर्मों में दाखिला दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध स्थानों की संख्या को ध्यान में रखकर किया जाता है। विश्वविद्यालय बी० ए०, बी० एस० सी०, बी० काम० में पत्राचार पाठ्यक्रमों में सुविधाओं की व्यवस्था भी करता है तथा उम्मीदवारों के कुछ एक में वर्गों को बाहरी उम्मीदवार के रूप में तथा गैर कालेज महिला शिक्षा बोर्ड की महिला उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की अनुमति देता है।

विश्वविद्यालय के अनुसार जिन योग्य विद्यार्थियों ने बी. ए./बी. एस. सी. तथा बी. काम. पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाना चाहा, उन सभी को दाखिल कर लिया गया था।

विडसर प्लेस नई दिल्ली के नौकरों के क्वाटरों की खराब हालत

2037. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या बंगला नं० 18,19 और 20 विडसर प्लेस, नई दिल्ली में संसद् सदस्यों के नौकरों के क्वाटरों की स्थिति इतनी कमजोर है कि किसी भी समय उनके गिरने का खतरा है;

(ख) क्या दीवारों को इतनी घटिया स्तर के मैटीरियल से जोड़ा गया है कि दीवारों में लगा मैटीरियल गिरना शुरू हो गया है;

(ग) क्या सरकार ने विशेषज्ञों से इन क्वाटरों की आयु और मजबूती के बारे में जांच करवाई है; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है ?

निर्माण और आवास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आई० के० गुजराल) : (क) जी, नहीं।

(ख) जी, नहीं।

(ग) क्वाटरों का कुल सेवा-काल 60 वर्ष है। क्योंकि यह इमारतें 1924 में निर्मित की गई थीं, अतः इनकी आयु अभी 10 से 15 वर्ष तक शेष है।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठाता।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय तथा जिवाजीराव विश्वविद्यालय को अनुदान

2038. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन और जिवाजीराव विश्वविद्यालय, ग्वालियर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तीय

वर्ष 1968-69 और 1969-70 में कुल कितना अनुदान दिया गया है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय और सांस्कृतिक विभाग में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव) : 1968-69 तथा 1969-70 वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा जिवाजी राव विश्वविद्यालय ग्वालियर को निम्नलिखित अनुदान दिये गये थे :—

	1968-69	1969-70
	रु०	रु०
विक्रम विश्व-विद्यालय उज्जैन	5,10,863	7,53,411
जिवाजी राव विश्वविद्यालय ग्वालियर	5,33,231	8,98,251

दुग्धपूर्ण तथा दुग्ध का आयात

2039. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या कृषि मंत्री दुग्ध तथा दुग्ध चूर्ण के उत्पादन और आयात के बारे में 24 जून, 1971 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3031 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रश्न के खंड (ख) और (ग) के सम्बन्ध में सूचना इस बीच एकत्र कर ली गई है ; और

(ख) यदि हां, तो उस की मुख्य बातें क्या हैं ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह) : (क) और (ख) . जी हां । गत तीन वर्षों की अवधि में आयातित दुग्ध चूर्ण (सपरेटा दुग्ध चूर्ण तथा शुद्ध दुग्ध चूर्ण) के सम्बन्ध में अपेक्षित जानकारी निम्न प्रकार है । इसे "मंथली स्टेटिसटिक्स आफ फारेन ट्रेड आफ इंडिया-वाल्यूम II इम्पोर्टस" से उद्धृत किया गया है ।

अवधि	सपरेटा दुग्ध-चूर्ण		शुद्ध दुग्ध चूर्ण	
	मात्रा (मीटरी टनों में)	लागत बीमा भाग मूल्य (विदेशी मुद्रा)	मात्रा (मीटरी टनों में)	लागत बीमा भाड़ा मूल्य (विदेशी मुद्रा)
		(रुपये लाखों में)		(रुपये लाखों में)
1968-69	45,417.66	1,220.33	2585.07	106.43
1969-70	27,375.16	582.61	3446.17	149.14
1970-71	30,143.46	682.45	455.28	21.91

वर्ष 1971-72 की अवधि में 12 करोड़ रुपये के बीमा, भाड़ा, लागत मूल्य से लगभग 40,000 मीटरी टन सपरेटा दुग्ध चूर्ण (उपहार तथा वाणिज्यिक खरीद) आयात करने का अनुमान है । वर्ष 1971-72 की अवधि में शुद्ध दुग्ध चूर्ण का आयात वर्ष 1970-71 के समान ही होने का अनुमान है ।